Major semester, P. 2023-2027 - DATE - 19/02/2026.

Abnormal psychology and Diagnostic Psychology.

असामान्य मनोविज्ञान और नैदानिक मनोविज्ञान दोनों ही मनोविज्ञान की शाखाएं है। जिनमें असामान्य मनोविज्ञान में असमायोजित या विकृत व्यवहार के अध्ययन के रूप में जाना जाता है। जबकि नैदानिक मनोविज्ञान में उन व्यवहारों का निदान, उपचार किया जाता है। नैदानिक मनोविज्ञान असामान्य मनोविज्ञान के आगे का चरण है जो अंतर निम्न रूप में है,

① असामान्य मनोविज्ञान में असामान्य व्यवहारों उनके कारणों, लक्षणों एवं उपचारों के विषय में अध्ययन किया जाता है। जो वर्णन सामान्य ढंग से ही किया जाता है। नैदानिक मनोविज्ञान में उन कारणों एवं लक्षणों को जान कर उन्हें समझा भी जाता है उसके उपरांत उसका उपचार भी किया जाता है साथ ही एक सामान्य व्यक्ति व्यवहार का भी अध्ययन किया जाता है। जिससे असामान्यता की किस हद तक स्थिति बढ़ी है। यह विषय में भी निर्देश मिल सके -

② असामान्य मनोविज्ञान का सामान्य दृष्टिकोण होता है अर्थात किसी रोग के कारणों, लक्षणों एवं उपचार का सामान्य ढंग से वर्णन करना इसका तात्पर्य नहीं है। कि असामान्यता और सामान्यता दो [illegible] वाली स्थितियाँ हैं। जो असामान्य व्यक्ति होता है तो उसे सामान्य की स्थिति में लाने का प्रयास किया जाता है। परंतु नैदानिक मनोविज्ञान का दृष्टिकोण व्यक्तिगत होता है। इसका अर्थ यह है कि व्यक्ति विशेष के मनोरोग को उसकी पृष्ठभूमि एवं लक्षण के आधार पर समझकर उसे उपयुक्त चिकित्सा दी जाती है। नैदानिक मनोविज्ञान में व्यक्ति की दो मुख्य रूप से समस्या होती है। उसके कारणों और लक्षणों के विषय में जाना जाता है। उसका उपचार किया जाता है। सामान्यता के आधार पर

CamScanner

उपचार नहीं किया जाता है। मनोविकार रूप

(iii) असामान्य मनोविज्ञान में मनोविकार रूप रूप में जाना जाता है। यह सामान्य और असामान्य के अंतर को बताता है। सबके किसी व्यवहार के रूप में विचार नहीं हुआ है। सबके अंतर्गत ... की चर्चा होती है। उपचार प्रकार ... किया जाता है ... वैज्ञानिक रूप में [illegible] प्रकार किया जाता है।

(iv) असामान्य मनोविज्ञान विभिन्न मानसिक विकारों का सैद्धांतिक रूप से व्याख्या करता है। असामान्य मनोविज्ञान बताता है कि मानसिक विकार की उत्पत्ति [illegible] है और सामान्य से भिन्न होता है। नैदानिक मनोविज्ञान विभिन्न मानसिक विकारों का व्यावहारिक रूप से व्याख्या करता है। व्यावहारिक रूप से व्याख्या का तात्पर्य है कि विशेष रूप से उन व्यक्तियों के विभिन्न ... में उपचार और विभिन्न बीमारियों और समस्याओं से पीड़ित व्यक्ति की बीमारी के कारण [illegible] होते हैं।

(v) असामान्य मनोविज्ञान के अंतर्गत रोगी के विशेषज्ञों को कोई प्रशिक्षण नहीं दिया जाता है परंतु इसके विपरीत नैदानिक मनोविज्ञान में उपचार विधियों में निपुणता प्राप्त करने के लिए विशेषज्ञों को प्रशिक्षण दिया जाता है। दूसरे शब्दों में कहा जाता है कि असामान्य सामान्य की विपरीत अवस्था है परंतु नैदानिक मनोविज्ञान सामान्यता के आधार पर व्यावहारिक और प्रयोगात्मक स्थिति है।

(vi) असामान्य मनोविज्ञान मनोविज्ञान की एक सैद्धांतिक शाखा है। इसके अंतर्गत केवल असामान्य व्यवहारों [illegible] उत्पत्ति [illegible] एवं उपचार संबंधी निर्णय [illegible] जाता है।

PK 19/04/2026